# कार्यक्रम प्रतिवेदन प्रारूप
## PROGRAMME REPORT PROFORMA

| | |
|---|---|
| 1. कार्यक्रम का शीर्षक<br>Title of the Programme | हिंदी भाषा में परीक्षण, मूल्यांकन एवं प्रश्न-पद निर्माण पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण एवं कार्यशाला |
| 2. दिनांक/Date | 29 जून -01 जुलाई 2026 |
| 3. स्थान/Place | जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डायट) , वायानाड |
| 4. प्रणाली/Mode | ऑफ लाईन |
| 5. प्रतिभागियों की संख्या<br>Number of the participants | 50 (प्रतिनियुक्त) |
| a. विद्यालय के अध्यापक<br>School Teachers | 42 (उपस्थित) |
| b. शोधार्थी/ Research Scholars | - |
| c. परास्नातक छात्र/Postgraduate Students | - |
| कुल /Total | **42** |
| 6. बाह्य विशेषज्ञों के नाम तथा पद<br>Name and Designation<br>of external subject experts | (1) डॉ.शबस्तीन के. एम. प्राचार्य,डायट, वायानाड<br>(2) श्रीमती निस्थुला ए.पी<br>(3) डॉ. निशा जी नायर |
| 7. कार्यक्रम के दौरान किये गये विषयों पर चर्चा<br>Topics covered during the discussion | (i) परीक्षण, मापन ,आकलन एवं मूल्यांकन की आधारभूत अवधारणाएं<br>(ii) अधिगम प्रतिफल, शैक्षिक उद्देश्यों का वर्गीकरण (टैक्सोनॉमी) एवं क्षमता-आधारित मूल्यांकन<br>(iii) परीक्षण नियोजन: हिन्दी भाषा परीक्षण के लिए विशिष्टीकरण एवं प्रश्न-पत्र ब्लूप्रिंट का निर्माण<br>(iv) राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 एवं राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा (एनसीएफ) 2023 के अंतर्गत भाषा शिक्षा: हिन्दी शिक्षण एवं मूल्यांकन के निहितार्थ<br>(v) वस्तुनिष्ठ एवं निर्मित उत्तरात्मक प्रश्नों के निर्माण के सिधांत<br>(vi) श्रवण, वाचन, पठन एवं लेखन कौशलों का क्षमता-आधारित मूल्यांकन<br>(vii) समूह कार्यशाला: हिन्दी परीक्षण मदों तथा अंकन रूब्रिक का निर्माण<br>(viii) परीक्षण पदों की समीक्षा, परिनियमंन एवं वैधीकरण तथा त्रुटिपूर्ण पदों की पहचान एवं संशोधन<br>(ix) समावेशी तथा संदर्भ-संवेदी मूल्यांकन: हिन्दी भाषा के मूल्यांकन में स्थानीय संस्कृति एवं भारतीय ज्ञान-परम्पराओं का समावेशन<br>(x) भाषा मूल्यांकन में कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उत्तरदायी उपयोग तथा प्रश्न प्रविष्टि प्रणाली का व्यावहारिक परिचय |
| 8. क्या कार्यक्रम से एनईपी-2020 के उद्देश्यों को पूरा करने में सहायता मिली? विवरण दें।<br>Did the progrmme assist in fulfilling the objectives of NEP-2020? Provide Details. | हाँ,राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के क्रमांक 4.34 के अनुसार- हमारी स्कूली शिक्षा प्रणाली की संस्कृति में आकलन के उद्देश्यों को योगात्मक जो मूलत: रटकर याद करने के कौशल को जाँचता है इससे हटकर नियमित रचनात्मक आकलन की ओर ले जाना है अधिक दक्षता पर आधारित होगा । आकलन का प्राथमिक उद्देश्य वास्तव में सीखने के लिए होगा । यह शिक्षक और विद्यार्थी और पूरी स्कूली शिक्षा प्रणाली को मदद करेगा। अत: यह शिक्षा के सभी स्तरों पर मूल्यांकन के लिए अनर्निहित होगा। इन तथ्यों का ध्यान इस प्रशिक्षण कार्यशाला में रखा गया। |

| | |
|---|---|
| | इस प्रशिक्षण कार्यशाला में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुसार मातृभाषा शिक्षण की भूमिका और भारतीय ज्ञान परंपरा विषय पर विस्तार से चर्चा की गई । राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को ध्यान में रखते हुए हिन्दी भाषा के मूल्यांकन में स्थानीय संस्कृति एवं भारतीय ज्ञान-परम्पराओं का समावेशन से संबंधित विषय पर चर्चा की गई.<br>राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के क्रमांक 5 .1 के अनसार शिक्षक राष्ट्र के भविष्य का भी निर्माण करते है । भारत में शिक्षक सबसे अधिक सम्मानित सदस्य है। अत: विद्यार्थियों को निर्धारित ज्ञान,कौशल और नैतिक मूल्य प्रदान करने में शिक्षकों की महत्वपूर्ण भूमिका है। अतः इस प्रशिक्षण कार्यशाला में हमारे राष्ट्र के लिए सर्वोत्तम संभव भविष्य सुनिश्चित करने वाले शिक्षकों को शिक्षण कार्य में परीक्षण एवं मूल्यांकन की उपयोगिता पर बल दिया गया। |
| 9. प्रश्न-पद निर्माण की संख्या<br>No. of Question Item prepared | नही |
| 10. क्या प्रतिभागियों को प्रशिक्षण सामग्री प्रदान की गई? विवरण दें।<br>Was the training material provided to the participants? Provide Details. | हाँ, प्रतिभागियों को प्रशिक्षण सामग्री प्रदान की गई। |
| 11. अनुदेश का माध्यम<br>Medium of Instruction | हिंदी |
| 12. क्या कार्यक्रम की ब्रीफिंग मीडिया में प्रसारित की गई थी? विवरण दें।<br>Was the briefing of the programme circulated in media? Provide details. | हाँ |

13. कार्यक्रम का सारांश
Summary of the programme (Regional Language and English).

राष्ट्रीय परीक्षण सेवा-भारत,भारतीय भाषा संस्थान,मैसूर द्वारा हिंदी में परीक्षण एवं मूल्यांकन तथा प्रश्न-पद निर्माण पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण एवं कार्यशाला दिनांक 29 जून से 01 जुलाई 2026 तक जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान(डायट), वायानाड में आयोजित किया गया इस सत्र का संचालन डॉ. ऐश्वर्या जी शहजन द्वारा कुशलतापूर्वक किया गया । उद्घाटन-सत्र के अध्यक्ष जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान(डायट), वायानाड के प्राचार्य डॉ. शबस्तीन के. एम.एवं कार्यक्रम की मुख्य अतिथि श्रीमती रज़ीना अब्दुल खादर,अध्यक्ष, नगरनिगम,वायानाड,श्रीमती श्रेर्जा टी आर, श्रेर्जा,प्रवक्ता, डायट, श्रीमती निस्थुला ए.पी, प्रवक्ता हिंदी, डायट, एन टी एस,भारतीय भाषा संस्थान मैसूर से डॉ. संजय प्रसाद श्रीवास्तव ,डॉ.अब्दुल हलीम, डॉ, एश्वर्या जी शहजन और श्रीमती हयात हफ्ज़ा उपस्थित थे। सर्वप्रथम इस प्रशिक्षण कार्यशाला में उपस्थित सभी प्रतिभागियों का स्वागत एवं अभिनंदन किया गया । तत्पश्चात डॉ. संजय प्रसाद श्रीवास्तव ने भारतीय भाषा संस्थान एवं राष्ट्रीय परीक्षण सेवा-भारत की गतिविधियों के बारें में विस्तार से व्याख्यान दिया. डॉ.अब्दुल हलीम ने कार्यशाला की रुपरेखा पर विचार व्यक्त किया. संचालक द्वारा कार्यशाला उद्घाटन-सत्र के मुख्य अतिथि श्रीमती रज़ीना अब्दुल खादर को आदरपूर्वक मंच पर आने के लिए आमंत्रित किया गया । मुख्य अतिथि ने अपने वक्तव्य में कहा कि तीन दिवसीय कार्यशाला के माध्यम से शिक्षकों को परीक्षण ,मूल्यांकन एवं प्रश्न- पद निर्माण पर अनेक जानकारी मिलेगी. शिक्षा के क्षेत्र इस तरह की प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया जाना चाहिए । उन्होंने अपने व्याख्यान में इस कार्यशाला के आयोजन के लिए सभी को धन्यवाद एवं आभार व्यक्त किया. प्राचार्य डॉ. शबस्तीन के. एम ने परीक्षण एवं मूल्यांकन की उपयोगिता एवं प्रश्न निर्माण की सार्थकता के बारें में विस्तृत जानकारी दी । आगे उन्होंने कहा कि शिक्षण कार्य में परीक्षण ,मूल्यांकन और प्रश्न- पद अभिन्न अंग है साथ ही उन्होंने भारतीय भाषा संस्थान के निदेशक प्रो. वस्वाराज कोडागुनती के प्रति आभार व्यक्त किया। साथ ही प्राचार्य जी ने सहायक निदेशक(प्रशा.)एवं एन टी एस के प्रभारी पदाधिकारी डॉ. पंकज द्विवेदी के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया। इसके साथ ही उद्घाटन-सत्र की समापन हो गई। कार्यशाला के दूसरे सत्र में डॉ. संजय प्रसाद श्रीवास्तव ने परीक्षण और मूल्यांकन की आधारभूत अवधारणाएँ पर व्याख्यान दिया। तत्पश्चात श्रीमती निस्थुला ए.पी, ने अधिगम प्रतिफल, शैक्षिक उद्देश्यों का वर्गीकरण (टैक्सोनॉमी) एवं क्षमता-आधारित मूल्यांकन पर प्रकाश डाला.चाय और जलपान के बाद वाले सत्र में डॉ. निशा जी नायर ने परीक्षण नियोजन: हिन्दी भाषा परीक्षण के लिए विशिष्टीकरण एवं प्रश्न-पत्र ब्लूप्रिंट का निर्माण विषय पर विस्तार से व्याख्यान

| | | |
|---|---|---|
| दिया। दूसरे दिन के प्रथम सत्र में प्राचार्य डॉ. शबस्तीन के. एम राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 एवं राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा (एनसीएफ) 2023 के अंतर्गत भाषा शिक्षा: हिन्दी शिक्षण एवं मूल्यांकन के निहितार्थ विषय पर चर्चा की । तत्पश्चात डॉ. संजय प्रसाद श्रीवास्तव ने वस्तुनिष्ठ एवं निर्मित उत्तरात्मक प्रश्नों के निर्माण के सिधांत विषय पर विस्तार से व्याख्यान दिया । भोजन के बाद वाले सत्र में डॉ. एश्वर्या जी शहजन ने श्रवण, वाचन, पठन एवं लेखन कौशलों का क्षमता-आधारित मूल्यांकन पर गंभीरता पूर्ण चर्चा की । अंतिम सत्र में डॉ. एश्वर्या एवं डॉ. संजय ने समूह कार्यशाला: हिन्दी परीक्षण मदों तथा अंकन रूब्रिक का निर्माण विषय पर सारगर्भित व्याख्यान एवं प्रश्न-पद का निर्माण करवाया। कार्यक्रम कें अंतिम दिन डॉ. संजय प्रसाद श्रीवास्तव ने परीक्षण पदों की समीक्षा, परिनियमंन एवं वैधीकरण तथा त्रुटिपूर्ण पदों की पहचान एवं संशोधन के बारे में विस्तार से चर्चा की। उसी के क्रम में, सत्र में डॉ. एश्वर्या एवं डॉ. संजय ने समावेशी तथा संदर्भ-संवेदी मूल्यांकन: हिन्दी भाषा के मूल्यांकन में स्थानीय संस्कृति एवं भारतीय ज्ञान-परम्पराओं का समावेशन के बारें में सभी पक्षों पर व्याख्यान दिया। तत्पश्चात भोजन के उपरांत डॉ. एश्वर्या ने भाषा मूल्यांकन में कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उत्तरदायी उपयोग तथा प्रश्न प्रविष्टि प्रणाली का व्यावहारिक परिचय विषय पर विस्तार से चर्चा की । कार्यशाला के समापन में अनेक प्रतिभागियों ने इस प्रशिक्षण कार्यशाला के संबंध में अपने-अपने अनुभव को साझा किया। समापन के अंत में प्राचार्य डॉ. शबस्तीन के. एम द्वारा सभी प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र वितरित किया गया । | | |
| 14. टिप्पणियाँ/Remarks | : | संपूर्ण दृष्टिकोण से कार्यक्रम अच्छा एवं प्रभावीशाली रहा । |

Sd/-

संयोजक का नाम एवं हस्ताक्षर

Name & Signature of the Coordinator